Hs – खोई हुई भेड़ का दृष्टांत लूका १५:१-७ | 1

– Save This Page as a PDF–

खोई हुई भेड़ का दृष्टांत

लूका १५:१-७

खुदाई: यीशु के मिश्रित श्रोताओं में कौन है? वे उसे कैसे प्रत्युत्तर देते हैं? यह दृष्टांत फरीसियों के बड़बड़ाने से कैसे संबंधित है? फरीसियों ने सिखाया कि पापियों के प्रति परमेश्वर का रवैया क्या है? मसीहा का अभिप्राय क्या है?

चिंतन: आप अच्छे चरवाहे से कब भटक गए? आपको वापस लाने के लिए उसने क्या उपयोग किया? यह आपको प्रभु के प्रति अपने महत्व के बारे में कैसा महसूस कराता है? यह दृष्टांत आपके जानने वाले अविश्वासियों के साथ आपके संबंधों को कैसे प्रभावित कर सकता है?

खोई हुई भेड़ के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि ईश्वर एक पश्चाताप करने वाले पापी के उद्धार पर प्रसन्न होते हैं।

किसी आत्मा की मुक्ति कोई बासी लेन-देन नहीं है जिसे कुछ लोग सोचते हैं मोचन (निर्गमन Bz – पाप मुक्ति पर मेरी टिप्पणी देखें) दैवीय लेखांकन का मामला नहीं है जिसके द्वारा एडोनाई हिसाब-किताब रखता है कि कौन अंदर है और कौन बाहर है। इसके विपरीत, वह खोए हुए पर रोता है और जब कोई मिल जाता है (अर्थात् बचा लिया जाता है) तो जश्न मनाता है। उनका दर्द मानवता की खोई हुई स्थिति पर बहुत गहरा है, और जब कोई पापी पश्चाताप करता है तो उनकी खुशी पूरी हो जाती है।

गॉस्पेल में अक्सर अलग-अलग श्रोताओं को संबोधित समान, या बहुत समान बातें होती हैं। यह दृष्टांत एक अच्छा उदाहरण होगा। मती १८:१२-१४ में दृष्टांत (देखें Gh – यदि कोई इन छोटे बच्चों में से किसी एक को ठोकर खिलाता है) यहां लूका के दृष्टांत के समान प्रतीत होता है। फिर भी मती का विवरण प्रेरितों को संबोधित है (मती १८:१)। हालाँकि, लूका में, दृष्टांत को फरीसियों और टोरा-शिक्षकों को संबोधित किया गया है जो येशुआ के कर संग्रहकर्ताओं और पापियों के साथ खाने की प्रथा का विरोध करते हैं। यह तर्क दिया जा सकता है कि यीशु ने दो अलग-अलग अवसरों पर दो अलग-अलग श्रोताओं को दो समान दृष्टांत सुनाए।

अब महसूल लेने वाले और पापी सब यीशु की सुनने के लिये इकट्ठे हो रहे थे (लूका १५:१)। ‘सभी एकत्र हो रहे थे’ के लिए अपूर्ण यूनानी काल निरंतर कार्रवाई का

Hs – खोई हुई भेड़ का दृष्टांत लूका १५:१-७ | 2

प्रतीक है, जिसका अर्थ है कि कर-संग्राहक और पापी आदत के रूप में यीशु के पास आए थे। वे जहां भी जाते, समाज से बहिष्कृत लोगों की भीड़ उनके आसपास जमा हो जाती। ऐसे चुंगी लेने वाले, अपराधी, लुटेरे, ठग, वेश्याएं और अन्य अपराधी थे जिन्होंने टोरा या मौखिक ब्यबस्था के अनुसार जीने के लिए कोई प्रयास नहीं किया (Ei – मौखिक ब्यबस्था देखें)। जैसा कि हमने देखा, इसने स्व-धर्मी फरीसियों और टोरा-शिक्षकों को बहुत परेशान किया। वे ऐसे मसीहा को पचा नहीं सके जो यहूदी समाज के बहिष्कृत लोगों के बीच लोकप्रिय था, और जो एक ही समय में उनकी रब्बी परंपराओं का आलोचक था।

परन्तु फरीसियों और टोरा-शिक्षकों ने बुदबुदाया, “यह मनुष्य पापियों का स्वागत करता है और उनके साथ खाता है” (लूका १५:२)। पापियों का तिरस्कार करने में, धर्मत्यागी धार्मिक नेताओं ने खुद को पापियों के प्रति परमेश्वर के रवैये को प्रतिबिंबित करने वाला समझा। फरीसी यहूदी धर्म ने सिखाया कि जब एडोनाई को उकसाने वाले लोग दुनिया से नष्ट हो जाते हैं तो उन्हें खुशी होती है। परिणामस्वरूप, उनकी सोच में, यहोवा ने पापियों से घृणा की और स्वयं को उनसे अलग कर लिया। चूँकि मसीह ने पापियों का स्वागत किया और उनके साथ भोजन भी किया, यह एक और संकेत था (मौखिक ब्यबस्था में विश्वास न करने के साथ-साथ) कि वह संभवतः लंबे समय से प्रतीक्षित मेशियाक नहीं हो सकता था। इसलिए मास्टर शिक्षक ने फरीसियों और टोरा-शिक्षकों के पापियों के प्रति रवैये के विपरीत पापियों के प्रति ईश्वर के रवैये को प्रकट करने के लिए उन्हें एक दृष्टांत सुनाया।

येशुआ चाहता था कि हर कोई इससे संबंधित हो, इसलिए उसने सबसे पहले पुरुषों और लड़कों के साथ एक प्यारी भेड़ की कहानी शुरू की जो भटक गई थी। तब यीशु ने उन से यह दृष्टान्त कहा, मान लो तुम में से किसी के पास सौ भेड़ें हों, और उन में से एक खो जाए। भेड़ों में भटकने की प्रवृत्ति होती है। अपने लायक किसी भी चरवाहे को अपने बहुमूल्य झुंड को नियंत्रण में रखने के लिए ओवरटाइम काम करना पड़ता था। फिर भी ऐसा हमेशा प्रतीत होता था कि कोई ऐसा व्यक्ति था जो उसकी सावधानीपूर्वक निगरानी से चूक गया और घिसे-पिटे रास्ते से भटक गया। उसे कितनी बड़ी चिंता रही होगी। क्या वह निन्यानवे को खुले देश, वस्तुतः रेगिस्तान में नहीं छोड़ता है, और खोई हुई भेड़ के पीछे तब तक नहीं जाता जब तक कि वह उसे पा न ले (लूका १५:३-४)? कोई भी स्वाभिमानी चरवाहा सौ में से निन्यानबे भेड़ों से संतुष्ट नहीं होगा। जबकि कोई भी भेड़ अन्य सभी भेड़ों से अधिक मूल्यवान नहीं थी, वे सभी उसकी देखभाल में थीं। इसलिए वह उस मूर्ख की तलाश में लग गया जिसे यह भी नहीं पता था कि वह खतरे में है। कई चरवाहों के लिए, यह केवल एक कर्तव्य नहीं था; यह उनकी भेड़ों के प्रति उनके प्रेम का भी मामला था। चरवाहा प्रत्येक भेड़ को नाम से जानता होगा (यूहन्ना १०:३)। जब वे वापस बाड़े में आते तो वह हर रात उनकी गिनती करता और उनकी जांच करता। यदि कोई खो जाता था, तो वह उसे खोजने के लिए रात में निकल जाता था।

यह चरवाहा रूपक यहेजकेल की पुस्तक में भी देखा जाता है, जहां परमेश्वर ने स्वयं कहा था: मैं स्वयं अपनी भेड़ों की खोज करूंगा और उनकी देखभाल करूंगा। एडोनाई

Hs – खोई हुई भेड़ का दृष्टांत लूका १५:१-७ | 3

इस्राएल की ओर से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करेगा। उसके कार्य इस्राएल को राष्ट्रों से उसकी भूमि पर पुनः स्थापित करेंगे और उसे अच्छी चरागाह भूमि में भेड़ों की तरह चराएंगे। परमेश्वर वही करेगा जो झूठे चरवाहे करने में असफल रहे – देखभाल करना, खोजना, वापस लाना, मजबूत करना और न्याय के साथ चरवाही करना। व्यक्तिगत भेड़ों का न्याय करने के बाद, परमेश्वर एक नया चरवाहा, अपने सेवक दाउद को नियुक्त करेंगे (प्रकाशितबाक्य एफआई – मसीहाई साम्राज्य की सरकार पर मेरी टिप्पणी देखें)।

ईश्वर की देखभाल और सुरक्षा के परिणामस्वरूप उनके लोगों के लिए शांति होगी, “मैं उनके साथ शांति की वाचा बांधूंगा।” हाशेम उसके साथ अपने अनूठे रिश्ते के कारण इस्राएल को पुनर्स्थापित करेगी। तुम मेरी भेड़ें हो, मेरे चरागाह की भेड़ें, और मैं तुम्हारा परमेश्वर हूं, एडोनाई एलोहिम घोषणा करता है (यहेजकेल ३४:११-३१)।



और जब वह उसे पा लेता है, तो वह खुशी-खुशी उसे
अपने कंधों पर रख लेता है, खोई हुई भेड़ का पेट उसकी गर्दन से सटा होता है और पैर उसकी छाती से सटे होते हैं, और घर चला जाता है। जब उसे भेड़ मिली तो उसने उसे सज़ा नहीं दी या डांटा नहीं। उसे केवल इस बात की खुशी महसूस हुई कि खोई हुई भेड़ मिल गई है। तब वह अपने मित्रों और पड़ोसियों को पास बुलाकर कहता है, “मेरे साथ आनन्द करो; मुझे मेरी खोयी हुई भेड़ मिल गयी है।” यह ऐसा कुछ नहीं था जिसे वह अकेले मना सके (लूका १५:५-६)। तदनुसार, मसीह ने सिखाया कि जो खो गया है उसके ठीक होने पर आनंद स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

धर्मत्यागी धार्मिक नेता यह कल्पना नहीं कर सकते थे कि परमेश्वर किसी पापी का पीछा करना चाहेंगे। उनका मानना था कि यहोवा पापियों से घृणा करता है और वह केवल उनकी मृत्यु पर आनन्द मनाएगा, उनकी पुनर्स्थापना पर नहीं। परन्तु सच तो यह है कि एडोनाई पापियों से प्रेम करता है और सक्रिय रूप से उनकी खोज करता है। जब वे पश्चाताप करते हैं तो वह आनन्दित होता है। इस प्रकार, फरीसियों का पापियों से अलगाव, सच में, परमेश्वर के हृदय के अनुरूप नहीं था।

तब यीशु ने अपनी बात स्पष्ट की: मैं तुम से कहता हूं, कि इसी प्रकार स्वर्ग में एक मन फिरानेवाले पापी के कारण उन निन्यानवे धर्मियों के विषय में, जिन्हें मन

Hs – खोई हुई भेड़ का दृष्टांत लूका १५:१-७ | 4

फिराने की आवश्यकता नहीं है, अधिक आनन्द होगा (लूका १५:७)। दूसरे शब्दों में, जब एक पापी पश्चाताप करता है, तो परमेश्वर स्वर्ग में उत्सव मनाने के लिए कहते हैं। वह अच्छा चरवाहा है जिसकी इच्छा अपनी भेड़ों को बचाने की है। एडोनाई केवल आकाश में बड़े स्कोरबोर्ड पर लेनदेन को रिकॉर्ड नहीं कर रहा है। वह आत्माओं के उद्धार की इतनी तीव्र इच्छा रखता है कि वह उनका पीछा करने के लिए अपने रास्ते से हट जाता है। फिर जब भटके हुए मेमने को वापस बाड़े में लाया जाता है, तो स्वर्ग अपने आप में इतना बड़ा नहीं होता कि उसकी खुशी को समेट सके।